परिशिष्ट "A"

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा–XII

विषय–औद्योगिक संगठन के मूलतत्व (332)

पूर्णांक–100 सैद्धांतिक–100

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
1.	उद्योगों का विवेकीकरण एवं आधुनिकीकरण	10	18
2.	भारत में उद्योगों का स्थानीयकरण	10	18
3.	आद्यौगिक वित्त एवं वित्तीय पूँजी बाजार	10	18
4.	भारत में आधुनिक उद्योगों का अभ्यूदय व विकास	10	18
5.	भारत के लघु व ग्रामीण उद्योग	10	18
6.	भारत के विशाल उद्योग	10	18
7.	भारत की आद्योगिक नीति	10	18
8.	भारत में सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व एवं विकास	10	18
9.	औद्योगिक नियोजन एवं विकास	10	18
10.	राज्यों द्वारा उद्योगों का नियोजन व नियंत्रण, औद्योगिक संबंध	10	18
	महायोग	**100**	**180**

परिशिष्ट "B"

प्रश्नपत्र योजना

कक्षा–XII

विषय–औद्योगिक संगठन के मूलतत्व (332)

कुल अंक – 100 समय – 03:00 घण्टे

"A"-प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर	लघु उत्तरीय (SA)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	% अधिभार
		01	**03**	**04**	**06**		
1.	**ज्ञानात्मक (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	07	03	01	-	20	20%
2.	**अवबोधात्मक (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	03	04	01	01	25	25%
3.	**अनुप्रयोगात्मक (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/ सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	06	03	01	01	25	25%
4.	**विश्लेषणात्मक(Analysis)** [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	04	-	-	01	10	10%
5.	**मूल्यांकन (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/ निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित	-	-	01	01	10	10%
6.	**रचनात्मक (Creation/Creativity)** सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना	-	-	01	01	10	10%
	योग	**1(20)=20**	**3(10)=30**	**4(5)=20**	**6(5)=30**	**100(20+1)**	**100%**

"B"-प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर	**01**	**01(20)**	**20**
2.	लघुउत्तरीय (SA)	**03**	**10**	**30**
3.	दीर्घउत्तरीय (LA)	**04**	**05**	**20**
4.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA)	**06**	**05**	**30**
	योग		**20+1(20) =21**	**100**

"C"-कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	**30**	30%
2.	औसत (AV)	**50**	50%
3.	कठिन (D)	**20**	20%
	योग	**100**	100%

परिशिष्ट – "C"

ब्लूप्रिंट

कक्षा–XII

विषय – औद्योगिक संगठन के मूलतत्व (332)

कुल अंक – 100 समय – 03:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर	लघु उत्तरीय (VSA)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
		अंक →	01	03	04	06		
1.	उद्योगों का विवेकीकरण एवं आधुनिकीकरण	10	-	-	1*	1*	**10**	**2(0)**
2.	भारत में उद्योगों का स्थानीयकरण	10	-	-	1*	1*	**10**	**2(0)**
3.	आद्यौगिक वित्त एवं वित्तीय पूँजी बाजार	10	4	2	-	-	**10**	**2(4)**
4.	भारत में आधुनिक उद्योगों का अभ्यूदय व विकास	10	-	2	1*	-	**10**	**3(0)**
5.	भारत के लघु व ग्रामीण उद्योग	10	-	-	1*	1*	**10**	**2(0)**
6.	भारत के विशाल उद्योग	10	4	-	-	1*	**10**	**1(4)**
7.	भारत की आद्योगिक नीति	10	4	2	-	-	**10**	**2(4)**
8.	भारत में सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व एवं विकास	10	4	2	-	-	**10**	**2(4)**
9.	औद्योगिक नियोजन एवं विकास	10	4	-	-	1*	**10**	**1(4)**
10.	राज्यों द्वारा उद्योगों का नियोजन व नियंत्रण, औद्योगिक संबंध	10	-	2	1*	-	**10**	**3(0)**
	महायोग	**100**	**1(20)=20**	**3(10)=30**	**4(5)=20**	**6(5)=30**	**100(20+1)**	**20+1(20) =21**

नोट :–(i) प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड ''अ' जिसमें 10 प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) होगें। खण्ड ''ब'' 10 प्रश्न रिक्त स्थान की पूर्ति/एक शब्द में उत्तर/सत्य एवं असत्य वाले प्रश्न होगें।

(ii) * तारांकित वाले प्रश्नों में विकल्प दिया जाना है।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना

कक्षा–XII

विषय – औद्योगिक संगठन के मूलतत्व (332)

कुल अंक – 100 **समय – 03:00 घण्टे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **''खण्ड–अ''** में 10 बहुविकल्पीय (**MCQ**) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) **खण्ड–''ब''** में 10 प्रश्न रिक्त स्थान की पूर्ति/एक शब्द में उत्तर वाले (**OWA**)/सत्य एवं असत्य वाले प्रश्न होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 11 तक लघुउत्तरीय (**SA**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **03** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **50** शब्द)
3. प्रश्न क्र0 12 से प्रश्न क्र0 16 तक दीर्घउत्तरीय (**LA**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **04** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **75–100** शब्द)
4. प्रश्न क्र0 17 से प्रश्न क्र0 21 तक अति दीर्घउत्तरीय (**VLA**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **06** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **150–200** शब्द)

विषय – औद्योगिक संगठन के मूलतत्व

विषय कोड – 332

कक्षा – बारहवीं

इकाई क्रमांक	विषय सूची	अंक	कालांश
1.	A उद्योगों का विवेकीकरण एवं आधुनिकीकरण विवेकीकरण की परिभाषा, उद्देश्य, विवेकीकरण के सिद्धांत, पक्ष में तर्क, विवेकीकरण के लाभ एवं दोष, विवेकीकरण के धीमी प्रगति के कारण, सरकार द्वारा उठाएँ गए कदम, भारत के प्रमुख उद्योगों में आधुनिकीकरण। B भारत में उद्योगों का स्थानीयकरण:– स्थानीयकरण के दो बड़े केन्द्रों का विकाश, सूती वस्त्र उद्योग का स्थानीयकरण, लौह इस्पात उद्योग का स्थानीयकरण, जूट उद्योग का स्थानीयकरण, विकेन्द्रीकरण का प्रारंभ ।	10	18
2.	A भारत में उद्योगों का स्थानीयकरण:– औद्योगिक स्थानीयकरण का अर्थ, सिद्धांत (अल्फ्रेड वेबर), औद्योगिक स्थानीयकरण के निर्धारित कारक, औद्योगिक स्थानीयकरण के कारण, औद्योगिक स्थानीयकरण के महत्व,। B अल्प विकास एवं औद्योगीकरण की समस्याएं:– अल्पविकास का आशय, अल्पविकसित देश की परिभाषा, अल्पविकसित अर्थव्यवस्था की विशेषता (आर्थिक विशेषता, जनसंख्या संबंधी विशेषता, सामाजिक विशेषता, प्रशासनिक एवं राजनैतिक विशेषता), औद्योगिक विकास की समस्याएं, औद्योगीकरण के मूल उद्देश्य।	10	18
3.	औद्योगिक वित्त एवं वित्तीय पूँजी बाजार :– औद्योगिक वित्त का अर्थ, औद्योगिक वित्त का महत्व, औद्योगिक	10	18

		अंक	घंटा
	वित्त के साधन (आंतरिक एवं बाह्य साधन) औद्योगिक वित्त की कमी के कारण, कमी को दूर करने के उपाय।		
4.	<u>भारत में आधुनिक उद्योगों का अभ्युदय एवं विकास :–</u> भारत में आधुनिक उद्योगों का उदय, आधुनिक उद्योगों की स्थापना के प्रेरक तत्व, देश के उद्योगों पर विभाजन का प्रभाव, प्राचीन उद्योग धंधों के पतन का कारण।	10	12
5.	<u>A भारत के लघु एवं ग्रामीण उद्योगः–</u> लघु एवं कुटीर उद्योगों का आशय, लघु एवं कुटीर उद्योगों की उपयोगिता एवं महत्व, कुटीर उद्योगों के पतन के कारण, लघु एवं कुटीर उद्योग के लाभ, लघु उद्योगों की प्रमुख समस्याएँ । <u>B विदेशी पूँजी एवं औद्योगीकरणः–</u> विदेशी पूंजी के प्रति भारत सरकार की नीति, विदेशी विनियोग।	10	15
6.	भारत के <u>विशाल उद्योगः–</u> सूती वस्त्र उद्योग, जूट उद्योग, लोहा इस्पात उद्योग, कागज उद्योग, चीनी उद्योग।	10	18
7.	<u>भारत की औद्योगिक नीतिः–</u> भारत के औद्योगिक नीति के उद्देश्य, भारत के प्रथम औद्योगिक नीति, औद्योगिक नीति से आशय, भारत के वर्तमान नई औद्योगिक नीति 1991, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नई औद्योगिक नीति, भारतीय नई औद्योगिक नीति की आलोचनाएं ।	10	12
8.	A भारत में सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व एवं विकास :– भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का उदय, सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व, सार्वजनिक उपक्रमों की सीमायें, सार्वजनिक उपक्रमों के उद्देश्य सार्वजनिक उपक्रमों का विकास ।	10	12

		उनं	कालिंक
	B सार्वजनिक उपक्रमों के संगठन एवं प्रबंधन की समस्याऐं:– सार्वजनिक उपक्रम की समस्याएँ, आंतरिक प्रबंध की समस्याएँ ।		
9.	औद्योगिक नियोजन एवं विकास:– अल्प विकास एवं औद्योगिक नियोजन का आशय, औद्योगिक विकास का उद्देश्य, 1990–2000 में औद्योगिक नियोजन ।	10	18
10.	A राज्यों द्वारा उद्योगों का नियमन एवं नियंत्रण:– औद्योगिक विकास में राज्यों की सक्रिय भूमिका, उद्योगों में राजकीय नियमन एवं नियंत्रण के उद्देश्य।	10	18
	B औद्योगिक संबंध :– औद्योगिक संबंध का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, क्षेत्र, प्रभावी सिद्धांत, औद्योगिक संबंधों की वर्तमान स्थिति, निर्धारक घटक ।		
	योग	100	180

विषय समिति के संयोजक एवं सदस्य

1- डॉ. हरिप्रशाद जोशी (संयोजक)
2- श्री मनीष गोवर्धन (सदस्य)
3- श्री डी.के. जैन (सदस्य)
4- श्री के.उन्नीकृष्णन (सदस्य)
5- श्रीमती रंजना ठाकुर (सदस्य)

****